विद्या सर्वार्थ साधिका

आनंदालय

सामयिक परीक्षा-1

कक्षा : ग्यारहवीं

विषय : हिंदी (कोर) अधिकतम अंक : **30**

दिनांक :04-08-202**2** समय : 1 घंटा 30 मिनट

सामान्य निर्देश :-

1. यह प्रश्न पत्र चार खण्डों में विभाजित है - 'क', 'ख', और 'ग'
2. तीनों खण्डों के प्रश्नोत्तर लिखने अनिवार्य हैं |
3. प्रश्नोत्तर क्रमशः लिखे जाने चाहिए |
4. लिखावट सुंदर और स्पष्ट होनी चाहिए |

<u>खंड- 'क़'</u> (अपठित बोध) (5 अंक)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के **उत्तर** लिखिए - (1x5=5)

सभी मनुष्य स्वभाव से ही साहित्य-स्रष्टा नहीं होते, पर साहित्य-प्रेमी होते हैं। मनुष्य का स्वभाव ही है सुंदर देखने का। घी का लड्डू टेढ़ा भी मीठा ही होता है, पर मनुष्य गोल बनाकर उसे सुंदर कर लेता है। मूर्ख-से-मूर्ख हलवाई के यहाँ भी गोल लड्डू ही प्राप्त होता है; लेकिन सुंदरता को सदा-सर्वदा तलाश करने की शक्ति साधना के द्वारा प्राप्त होती है। उच्छृंखलता और सौंदर्य-बोध में अंतर है। बिगड़े दिमाग का युवक परायी बहू-बेटियों के घूरने को भी सौंदर्य-प्रेम कहा करता है, हालाँकि यह संसार की सर्वाधिक असुंदर बात है। जैसा कि पहले ही बताया गया है, सुंदरता सामंजस्य में होती है और सामंजस्य का अर्थ होता है, किसी चीज़ का बहुत अधिक और किसी का बहुत कम न होना। इसमें संयम की बड़ी ज़रूरत है। इसलिए सौंदर्य-प्रेम में संयम होता है, उच्छृंखलता नहीं। इस विषय में भी साहित्य ही हमारा मार्ग-दर्शक हो सकता है। जो आदमी दूसरों के भावों का आदर करना नहीं जानता उसे दूसरे से भी सद्भावना की आशा नहीं करनी चाहिए। मनुष्य कुछ ऐसी जटिलताओं में आ फँसा है कि उसके भावों को ठीक-ठीक पहचानना हर समय सुकर नहीं होता। ऐसी अवस्था में हमें मनीषियों के चिंतन का सहारा लेना पड़ता है। इस दिशा में साहित्य के अलावा दूसरा उपाय नहीं है। मनुष्य की सर्वोत्तम कृति साहित्य है और उसे मनुष्य पद का अधिकारी बने रहने के लिए साहित्य ही एकमात्र सहारा है। यहाँ साहित्य से हमारा मतलब उसकी सब तरह ही सात्विक चिंतन-धारा से है।

(क) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

(ख) साहित्य स्रष्टा और साहित्य प्रेमी से क्या तात्पर्य है ?

(ग) लड्डू का उदाहरण क्यों दिया गया है ?

(घ) लेखक ने संसार की सबसे बुरी बात किसे माना है और क्यों ?

(ङ) जीवन में संयम की ज़रूरत क्यों है ?

2. जन संचार के माध्यमो के नाम लिखें और हिंदी के पहले पत्र का नाम लिखिए | (2x1=2)

<u>खंड- 'ख'</u> (साहित्य) (13 अंक)

3. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए - (1x5=5)

हम तौ एक करि जांनानं जांनां ।
दोइ कहैं तिनहीं कौं दोजग जिन नाहिंन पहिचांनां।
जैसे बढ़ी काष्ट ही काटै अगिनि न काटै कोई।
सब घटि अंतरि तूही व्यापक धरै सरूपै सोई।

एकै पवन एक ही पानीं एकै ज्योति समांनां।
एकै खाक गढ़े सब भांडै एकै कोहरा सांनां।
माया देखि के जगत लुभांनां कह रे नर गरबांनां
निरभै भया कछू नहि ब्यापै कहैं कबीर दिवांनां।

(क) कबीरदास परमात्मा के विषय में क्या कहते हैं?

(ख) भ्रमित लोगों पर कवि की क्या टिप्पणी है?

(ग) संसार नश्वर है, परंतु आत्मा अमर है-स्पष्ट कीजिए।

(घ) कबीर ने किन उदाहरणों द्वारा सिद्ध किया है कि जग में एक सत्ता है?

(ङ) 'गरबांनां' का पर्यायवाची बताइए |

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

(क) दारोगा वंशीधर गैरकानूनी कार्यों की वजह से पंडित अलोपीदीन को गिरफ्तार करता है, लेकिन कहानी के अंत में इसी पंडित अलोपीदीन की सहृदयता पर मुग्ध होकर उसके यहाँ मैनेजर की नौकरी को तैयार हो जाता है। आपके विचार से वंशीधर का ऐसा करना उचित था ? आप उसकी जगह होते तो क्या करते? (1x2=2)

(ख) स्वयं को खानदानी नानबाई साबित करने के लिए मियाँ नसीरुद्दीन ने कौन-सा किस्सा सुनाया ? (1x2=2)

(ग) मीरा जगत को देखकर क्यों रोई ? (1x1=1)

5. शास्त्रीय संगीत और चित्रपट संगीत में क्या अंतर है? (3x1=3)

खंड- 'ग' (लेखन) (10 अंक)

6. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 150 शब्दों में निबंध लेखन कीजिए | (5x1=5)

(क) भ्रष्टाचार और इसे दूर करने के उपाय

(ख) "यत्र नार्यस्तु पूज्यते, रमन्ते तत्र देवता" (भारतीय समाज में नारी)

(ग) परीक्षा के कठिन दिन

7. देश में बढ़ रही कन्या-भ्रूण हत्या पर चिंता व्यक्त करते हुए किसी प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के सम्पादक को 80 से 100 शब्दों में पत्र लिखिए। (5x1=5)

अथवा

राजकीय संग्रहालय अल्मोड़ा में हिन्दी आशुलिपिक पद के लिए आवेदन पत्र लिखिए।